बाबा ने समझाया था सायंस पर सायलेन्स की जीत होती है। जब आत्मा सायलेन्स है तो उन में ताकत है। सायलेन्स यहां तो नहीं है। होनी है। सायंस पर सायलेन्स विजय पाती है। विश्व में शान्ति होती है। तो शान्ति में ताकत है। शान्ति की ताकत स्थापन करते हैं। सांयस की ताकत विनाश करती है। प्रश्न जो पूछते हैं सो रांग राईट प्रश्न पूछने आवेगा नहीं। इस समय हैं ही अनराईटीयस मनुष्य। वह पूछ क्या सकेंगे। उन्हों को जबाव क्या देंगे। नोट कर रखेंगे। बस। खल्तील कुछ नहीं। तुम बच्चे शान्ति से विजय पाते हो। गाया जाता है रिलीजन ईज माईट। उनको लिखना है रिलीजन ईज माईट जो ही सांयस पर जीत पाती है। सांयस तुमको मदद करते हैं विनाश में। अब वह 15 मिनट भाषण लिए टाईम देते हैं तो लिखना पड़े। बाबा को लिख कर भेजे। तो बाबा कैच कर सकते है। बच्चे समझते तो हैं रिलीजन स्थापन हो रही है। सांयस से विनाश हो रहा है। ऐसे2 रेसपान्ड लिखना चाहिए। रिलीजन से स्थापना होती है। सांयस फिर विनाश में मदद देते हैं। यह डिटेल में लिख देना पड़े। समझेंगे नहीं, बल्कि न ही तुम्हारा आवाज़ निकलेगा। वह तब निकलेगा जब समझेंगे गीता का भगवान कौन है फिर भगवान को भी जान जावेंगे। चरित्र मनुष्य का नहीं होगा। जो स्थापना, विनाश, पालना का कर्तव्य करते हैं उनकी ही चरित्र होगी। जो इन बातों को समझते हैं नोट कर बच्चों को भेज देना चाहिए। तुम एक्युरेट समझाते हो। फिर भी किसको समझ में बड़ा मुश्किल आता है। अच्छा कहते हैं ठीक है, फिर क्या। कोई बिरला ही अच्छी रीत समझेंगे और कहेंगे यह प्रजापिता ब्रहमा कुमारियां जो समझाती हैं कान्ट्रास्ट यह तो ठीक है। बरोबर नालेज ईज माईट है। तुम हो प्रीतबुधि। तुम ही जीत पाते हो बाकी तो हैं सांयस घमंडी। वह हैं विप्रीत बुधि। जानते ही नहीं। तो विचार कर लिखना। बाबा भी विचार सागर मथन करेंगे। फिर लिख कर भेज देंगे जो लिटरेचर लिखते हैं। संजय फिर कैच कर भेज देंगे। यह तो समझते हैं इस समय नामाचार निकलेगा नहीं। जो नु तुम्हारा बहुत नाम हो जावे। भक्ति मार्ग के सैना से निकल ज्ञान में आते रहेंगे तब तुम्हारा नाम होगा। विचार कहता है अजन और बुधि चाहिए। टाईम पड़ा है। अभी नाम निकल नहीं सकता है। फिर भी भेज देने में हर्जा नहीं है। यह लड़ाई बहुत समय चलेगी। माया से लड़ते रहो। जब टाईम पूरा हो जावेगा फिर तो माया पर भी जीत हो जावेगी। अभी सतयुग में जाने में टाईम है। अजन सैना जाग्ती चाहिए। गायन हैं राम गयो, रावण गयो जिनका वह परिवार.. अभी ज्ञान और योग का पुरुषार्थ करते रहो। बच्चे समझते तो हैं इन 5 विकारों रूपी दुश्मन पर जीत पानी है। रूहानी सैना भी तुम हो। मेहनत भी करनी है। इसमें ठंढाई नहीं करनी है। याद की यात्रा पर भागना है। यात्रा पर तो खुशी से जाते हैं ना। तुम्हारी हैं सच्ची खुशी। उनकी झूठी। तुमको विश्व की बादशाही मिलती है। इस रूहानी यात्रा से। तुम जानते हो हमारी चढ़ती कला होती है। तो बच्चों को बहुत खुशी होनी चाहिए। यह है एमआबजेक्ट। नर से ना0नारी से लक्ष्मी। वह तो दन्त कथाएं सुनाते हैं। बेहद की खुशी, बेहद का नालेज बाप ही देते हैं। तुमको सब कुछ बेहद का मिलता है। कब भी कोई बात में मुंझता हो तो बाबासे पूछ सकते हैं। फिर भी सर्जन है ना। सभी संशय मिट जानी चाहिए। बाप विश्व की बादशाही देते हैं इसमें टैक्स आद कुछ नहीं लगता है। विलायत से आते हैं तो बहुत सोगात ले आते हैं। 10 वर्ष के बाद आता है तो बहुत कुछ ले आते हैं। बाप सभी पाईन्टस समझाते रहते हैं। कहां भी मुंझो तो डायरेक्ट बाप से पूछ सकते हो। लज्जा करने से भूख मरेंगे। बच्चों को हक है बाप को पत्र लिखने का। ऐसे थोड़े ही दूसरा बच्चा कहेंगे हम से पूछ कर लिखो। कोई से न बनती है वा कोई बात में मुंझते हैं तो बाप को लिख सकते हैं। एक फ्रीडम रावण से मिलती है दूसरा फ्रीडम बाप देते हैं जो कुछ चाहिए पूछो। अभीतो बाप और रचना को जान गये हो। बाकी है रेजकारी। सांयस वाले हैं रावण सम्प्रदाय। तुम सायलेन्स वाले हो ईश्वरीय सम्प्रदाय। तुम्हारी प्रीत है ना। तुम तो हो गुप्त अन्डरग्राउन्ड वारियर्स कोई पहचान न सके। अच्छा गुडनाईट।